रात्रि क्लास 11.6.68 :– बाप कल्याणकारी है तो तुम भी बाप के बच्चे हो। कल्याणकारी बहुत बहुत बनना है। कल्याण भी कम थोड़े ही है। एकदम भ्रष्टाचारी नर्क वासी से श्रेष्ठाचारी स्वर्ग वासी बना देते हैं। (प्रदर्शनी का समाचार सुना रहे हैं) सूरत में प्रदर्शनी होती है बहुत अच्छा। बाबा तो कहते हैं घेराव डालो। निमन्त्रण मिलते जावेंगे। तुम रास्ता बताते जावेंगे। आखरीन यही मंत्र देते रहेंगे। बाप कहते हैं मामेकम् याद करो तो तुम सतोप्रधान बन जावेंगे। मूल बात है यह। बिगर याद की यात्रा कोई सतोप्रधान पवित्र बन नहीं सकता। यह है बाप से मिलने का रास्ता। बाप आते ही हैं बच्चों को रास्ता बन(त)ाने। सच्ची राह बाप ही देते हैं। कहते हैं बच्चों को कि बाप को याद करना है तो पाप कट जावेंगे। पावन बन जावेंगे। (समाचार) विशाल बुद्धि होगा तो सेकण्ड में बाप का परिचय और वरसा पा लेंगे। ऐसे नहीं कि सभी को सात रोज–सात रोज कहना है। बोलो सेकेण्ड की बात है। बाप का परिचय। बाप कहते हैं मुझे याद करते रहो तो तुम सतोप्रधान बन जावेंगे। (कोई ने पूछा तुम्हारे संस्था के कितने मेम्बर्स हैं?) बोलना चाहिए अनगिनत। ढेर के ढेर प्रजा बनते रहते हैं। यह राजधानी स्थापन हो रही है, सूर्यवंशी और चन्द्रवंशी। बाकी धारणा पर चलने वाले 5000 कह सकते हो। जो भी आवे उनको मैसेन्ज देना है। रास्ता बताना है। बाप है एक। बाप के बच्चे तो सभी हैं। पवित्र थे तो श्रेष्ठाचारी देवता थे। अभी अपवित्र बने हैं। फिर पवित्र बनाने लिए बाप ही आते हैं। अभी तुम्हारे पास आये हैं तब तो रास्ता बताते हैं। पहले तो यह बातें थी नहीं। बाकी 5/7 वर्ष यह बातें चलनी है। विनाश तो होना है। तुमने रचयिता बाप को भी समझा है, रचना को भी समझा है। रचयिता बाप के सिवाय कोई समझा न सके। तुमको निमंत्रण मिलती रहती है। यहां तक जो पार्ट चला एक्युरेट। ख्याल न करना चाहिए इतना किया कुछ निकल(ा) नहीं। टाइम वेस्ट न करना है। मुख्य जोर देना है बाप को याद करने पर। बाप को याद करते रहो। मुँझो नहीं। शिवबाबा को याद करो। मुख्य बात ही है यह। जिसकी पूजा करते हैं उनको याद करो। अच्छा, बच्चों को गुडनाइट।